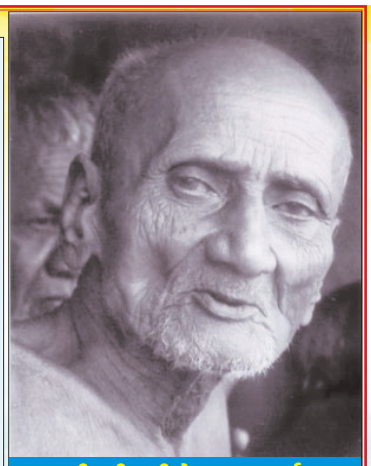

R. K. Advertising
के माध्यम से 'जैन गजट' में विज्ञापन बुक कराने हेतु सम्पर्क करें-
शेखर चन्द पाटनी
राष्ट्रीय संवाददाता-जैन गजट
मो. 9667168267
रोहित कुमार पाटनी, डायरेक्टर
(आर. के. एडवरटाइजिंग)
मो. 8003892803
ईमेल
rkpatni77@gmail.com

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य
चारित्र चक्रवर्ती
परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी

नए वर्ष के तीन संकल्प
1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com
वर्ष 31 अंक 10 कुल पृष्ठ 12 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 06 जनवरी 2025, वीर नि. संवत् 2551
Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

आचार्यश्री विद्यासागरजी एवं मुनिपुंगव सुधासागर जी महाराज की प्रेरणा से

60 करोड़ बाजार मूल्य की 38 एकड़ जमीन करैया परिवार ने दान दी, बनेगा शिक्षा तीर्थ

सागर, 1 जनवरी। इसे पढ़कर और सुनकर आपको भले ही हैरानी हो लेकिन है ये सौ फीसदी सच सागर के करैया वाला जैन परिवार ने करीब 60 करोड़ रुपए बाजार मूल्य की 38 एकड़ जमीन दान में दे दी है। इस भूमि का दान पत्र लिख दिया गया है। यह भूमि शहर के अंबेडकर वार्ड में कनेरादेव पहाड़ी पर स्थित है। भूमि का बकायदा ट्रस्ट का गठन कर उसके नाम कर दी गई है। इस विशाल भू भाग पर विश्व स्तरीय शिक्षा तीर्थ एवं प्राकृतिक बीज संरक्षण केंद्र बनाए जाने की योजना है। यह बेशकीमती भूमि दान में देने वाला जैन परिवार लक्ष्मीपुरा क्षेत्र निवासी राजकुमार जैन, नीलेश नितिन जैन करैया वाला परिवार हैं। महादानी राजकुमार जैन करैया ने बताया कि आचार्यश्री गुरुवर विद्यासागर महाराज एवं सागर में विराजे निर्यापक मुनिश्री सुधासागर

दातार श्री राजकुमार करैया

दान की गई जमीन का दृश्य

महाराज की प्रेरणा से धार्मिक एवं सामाजिक हित में उपयोग हेतु दान की है। उन्होंने बताया कि यह भूमि उन्होंने सन 2001 में खरीदी थी। इसके बाद कुछ कानूनी अड़चनें आने से करीब 4 साल कोर्ट में मामले की सुनवाई चली और अंततः उनकी जीत हुई। तभी से यह विचार था कि इस भूमि का कुछ विशेष कार्य में उपयोग हो तो ज्यादा अच्छा होगा। जब से सागर में मुनिश्री सुधासागर महाराज विराजमान हैं तभी से मैं उनके पास लगातार जाकर इस बारे में चर्चा कर रहा था। हाल ही में मुनिश्री ने इसे स्वीकार करते हुए यहां विश्व स्तरीय शिक्षा तीर्थ बनाने की योजना पर काम शुरु किया है। उन्होंने बताया कि इस भूमि की रजिस्ट्री श्री दयोदय-निलय-विद्या निकेत कस्तूर वन कनेरा के नाम से की गई है। इसी नाम से ट्रस्ट का गठन किया गया है। गत 1 जनवरी 2025 को यहां पर 'श्री दिगम्बर जैन सर्वोदय ज्ञान तीर्थ' बनाने हेतु शिलान्यास समारोह का आयोजन भी पूज्य मुनि श्री सुधा सागरजी महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।

शेष पृष्ठ 05 पर.....

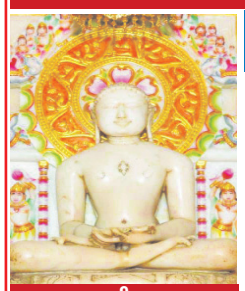

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

875 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण
LIVE
शांतिधारा : 7:30 AM
संध्या आरती - 7:00 PM
@jainmandirhasteda
नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:
अमित शर्मा (Manager)-9784857991
हस्तेड़ा जैन मंदिर दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.
अन्य जानकारी हेतु स्थानीय संपर्क सूत्र
मनीष गंगवाल-सह अध्यक्ष
मोबाइल नंबर 95880 20330
इस अतिशय क्षेत्र में किसी भी तरह की बोली, चंदा, डाक या राशि का आग्रह वर्जित है।

आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव 2025 प्राणी मात्र के लिये सुखदायी हो - विजय कुमार कासलीवाल (कुचील वाले किशनगढ़)

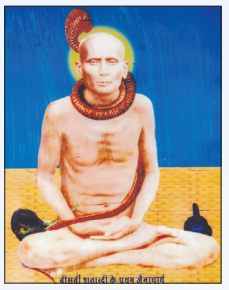

प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती 108 आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज जयवंत हों

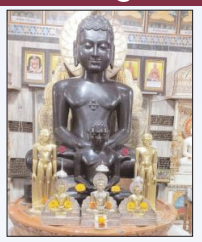

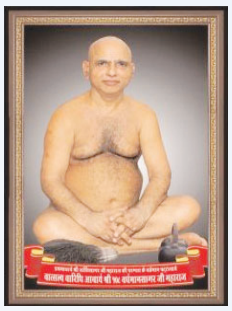

वात्सल्य वारिधि आचार्य शिरोमणि 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज जयवंत हों

प्रथम पुण्यतिथि

जन्म तिथि
01.01.1945

देहावसान
11.01.2024

हमारी परम आदरणीया

श्रीमती सुशीला देवी कासलीवाल

(धर्मपत्नी श्री विजय कुमार जी कासलीवाल, कुचील वाले किशनगढ़)

हमारी प्रेरणास्रोत, मार्गदर्शक, तपस्विनी, देहातीत, ममतामयी, मुनिभक्त, उदारमना
जिनका आदर्शमयी संयमित, सत्यनिष्ठ एवं सच्चे देव शास्त्र, गुरू के प्रति समर्पित जीवन
सदैव एक दीप स्तम्भ की तरह हम सबका पथ आलोकित करता रहेगा।

करोड़ों की आबादी वाले इस संसार में यदा-कदा ऐसी कर्म-धन्य महिला रत्न जन्म लेती है।
जिनकी प्रेरणा और प्रतिबद्धता सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय होती है।
जिनका संकल्पित साहस अदम्य होता है, जो अपनी कर्मठता से औरों को भी ऊर्जायित प्रेरित करती है।
जो मशाल बनकर औरों का पथ आलोकित करती है तथा शाश्वत प्रेरणापुंज बनी रहती है।
आपकी यही प्रेरक पथ प्रदर्शक अमिट छवि हमारे स्मृति पटल पर सदैव जीवंत रहेगी।

श्रद्धांजलिकर्ता परिवार

पदमचन्द-उमराव देवी **(देवर-देवरानी)**, दिलीप कुमार-अनिता, मनोज कुमार-वन्दना **(पुत्र-पुत्रवधु)**, अभिषेक-कविता, अरिहन्त-निकिता, रौनक-नेहा **(पौत्र-पौत्रवधु)**, स्वप्निल, हार्दिक **(पौत्र)**, विधान, पवित, प्रख्यात, युविका, प्रसिद्धि **(पड़पौत्र, पड़पौत्री)**, किरण-विनोद गंगवाल इचलकरंजी, रेणु-कमल गदिया भीलवाड़ा, अनिता-विनोद गदिया किशनगढ़, सुनीता-मनोज काला जयपुर **(पुत्री-पुत्री दामाद)**, नितेश-दीपका गंगवाल, अंकुश-कविता गदिया **(दोहिता-दोहिता वधु)**, दिव्यांश, रिदम् **(दोहिता)**, निकिता-मौसम पाटोदी सूरत, शिम्मी-रजत गंगवाल अजमेर, एकता-सौरभ सेठी शाहपुरा, आभा-शुभम गोधा भीलवाड़ा **(दोहिती-दोहिती दामाद)**, कनिष्का काला **(दोहिती)**

-: प्रतिष्ठान :-

➲ ओमेगा स्टोन्स प्रा. लि. ➲ ओमेगा इंडस्ट्रीज ➲ ओमेगा मार्बल एंड ग्रेनाइट ➲ अहिंसा ग्रेनाईट्स

निवास स्थानः- ''सुविजय'' लक्ष्मी नारायण विहार, गेट नं. 2, माया बाजार के सामने, अजमेर रोड, मदनगंज

विज्ञापन प्रेषक: R.K.Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी
किशनगढ़ केसरी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatin777@gmail.com

आने वाले नए वर्ष 2025 के लिये
हार्दिक शुभकामनाओं सहित...
SANTOSH JAIN & ASSOCIATES
SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.
OFFICE
CITY TRADE CENTRE,
Near Athgaon Flyover, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 8638773711

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस-स्नेहा काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

कुंडलपुर कमेटी पर नाराज होकर आचार्यश्री प्रसन्न सागर ने ससंघ किया वहां से विहार

आचार्यश्री ने कहा पद पर बैठे लोगों को अपना अतीत और औकात याद रखना चाहिए

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल

औरंगाबाद। तेलंगाना कुचारम से बद्रीनाथ की यात्रा पर चल रहे आचार्य प्रसन्न सागर महाराज कुंडलपुर ट्रस्ट के पदाधिकारियों से नाराज होकर सोमवार 30 दिसम्बर सुबह 6 बजे अचानक विहार कर गए। वे रविवार को कुंडलपुर पहुंचे थे। उनके साथ 16 मुनिश्री और आर्यिका माताएं भी थीं। बताते हैं कि आचार्यश्री को मंदिर में कमेटी के पदाधिकारियों ने प्रतिक्रमण (दो घंटे का ध्यान) नहीं करने दिया जिस पर आचार्यश्री सुबह ससंघ के साथ बड़े बाबा मंदिर से दर्शन करने पहुंचे और वहां से विहार चालू कर दिया। इधर आचार्यश्री के विहार के बाद उनके साथ चल रहे सदस्यों से आवास खाली कराने के लिए कमेटी के सदस्य पहुंच गए। इस बीच हंगामा की स्थिति निर्मित हो गई। कई लोगों ने हंगामा का वीडियो वायरल कर दिया। बताते हैं आचार्यश्री बद्रीनाथ की यात्रा पर हैं। वे संघ के साथ विहार कर रहे हैं। उन्हें कुंडलपुर में नए साल पर ससंघ एक जनवरी तक ठहरना था। इसके बाद संघ के साथ आगे की यात्रा पर निकलना था। उनके पहुंचने पर श्री दिगंबर जैन कुंडलपुर सिद्धक्षेत्र कमेटी की बैठक हुई, मीटिंग के दौरान कुछ विषयों पर चर्चा हुई, जिस पर कमेटी के सदस्य असहमत हो गए और आचार्यश्री का दो घंटे का होने वाला प्रतिक्रमण नहीं होने दिया। हैरानी की बात यह है कि आचार्यश्री उपवास पर थे और उनकी आहारचार्य होनी थी, लेकिन वे उपवास में ही बड़े बाबा का दर्शन करने के बाद विहार कर गए।

आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के विहार संघ में शामिल अज्जू भैया ने बताया कि कुंडलपुर कमेटी के पदाधिकारियों ने आचार्यश्री का अपमान किया है। उनका दो घंटे का प्रतिक्रमण नहीं हो पाया। उन्होंने बताया कि मंदिर कमेटी के सदस्यों ने आवास खाली करा दिए और सभी को कुंडलपुर से जाने के लिए कह दिया। यहां तक कि आचार्यश्री की आहारचर्या भी नहीं हो पाई क्योंकि उनका उपवास था और सोमवार को आहारचर्या होनी थी, लेकिन इससे पहले ही ट्रस्ट के पदाधिकारियों के व्यवहार से नाखुश हो गए। आचार्यश्री के संघ में शामिल जयपुर से आए मुकेश जैन ने बताया कि आचार्यश्री को नए वर्ष तक ठहरना था, लेकिन यहां के ट्रस्टियों ने विहार करा दिया। जवाब मांगने पर अच्छा व्यवहार नहीं किया। ठहरने के लिए चंदा मांगा जा रहा था। बड़े बाबा को चंदे की जरूरत नहीं है। इससे पहले आचार्यश्री ने प्रवचनों में कहा कि हम लोग बड़े भाव से यहां आए थे। बड़े बाबा के यहां पर नया साल मनाएंगे। मगर यहां आकर पता चला कि यहां के ट्रस्टी पूर्वाग्रह, पंथाग्रह, संतााग्रह से कूट-कूट कर भरे हैं। उन्हें साधना नहीं दिखती। उन्हें दुराग्रह से मतलब है। उन्होंने कहा कि मैं यहां पर किसी को दोष नहीं दे रहा है, लेकिन ऐसे ट्रस्टियों को पद पर नहीं बैठना चाहिए जिनमें व्यवहार नहीं हो। मैं यह बात संपूर्ण पदाधिकारियों से कह रहा हूं। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री विद्या सागर महाराज ने बड़े बाबा का ऐसा तीर्थ बनाया है, अच्छे-अच्छों की 100 पीढ़ियां मर जाएंगे, मगर ऐसा तीर्थ नहीं बना सकतीं, लेकिन गुरुदेव यह किन्हें सौंपकर गए हैं, यह विचार करने वाला प्रश्न है। गुरुदेव ने बड़े बाबा की मूर्ति स्थापित करने में पूरी जिंदगी की तपस्या लगा दी। यदि मूर्ति को कुछ हो जाता तो देश खड़ा हो जाता। मूर्ति स्थापित हुई तो पूरा विश्व यहां दर्शन करने आ रहा है। उन्होंने कहा कि पद पर रहने वाले को हमेशा अतीत और औकात याद रखना चाहिए। कुंडलपुर कमेटी के मंत्री और एक सदस्य ने इस्तीफा दे दिया, इस संबंध में कुंडलपुर मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री आर. के. जैन ने बताया कि आचार्यश्री के साथ विहार करके आए लोगों ने 31 दिसंबर को एक भक्ति का कार्यक्रम रखा था जबकि कुंडलपुर कमेटी की ओर से भी 31 दिसंबर को एक नाटक का कार्यक्रम रखा गया था। ऐसे में एक जगह पर दो-दो कार्यक्रम कैसे हो सकते थे। यह बात आचार्यश्री को बताई गई थी, ऐसे में आचार्यश्री विहार करके चले गए। हम लोग अभी हटा में आचार्यश्री से मिलकर आए हैं। ऐसी कोई बात नहीं है। कन्फ्यूजन थी, दूर हो गई है। हमने माफी मांग ली है। इधर आचार्यश्री से हटा में माफी मांगने पहुंचे जैन पंचायत के अध्यक्ष सुधीर कुमार जैन ने कहा कि हम दमोह वालों की गलती है कि हमने ऐसी कुंडलपुर कमेटी चुनी। इस बीच कुंडलपुर कमेटी के मंत्री और एक सदस्य ने इस्तीफा दे दिया।

प्राकृत ज्ञान केसरी, चर्या चक्रवर्ती महासंघ नायक, विश्वहितकारी, वात्सल्य मूर्ति, सरल स्वभावी, चारित्र रत्नाकर, विद्यावारिधी, क्षेत्र जीर्णोद्धारक आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के चरणों में शत् शत् नमन् वंदन

सन्मतिसुनीलम - पार्ट-1

जो संसार से थकते हैं वे ही मोक्षमार्ग में आगे बढ़ते हैं

-: नमनकर्ता/पुण्यार्जक :-

- श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति किशनगढ़ सम्भाग
- राजकुमार बड़जात्या (मरवा वाले)
- मानकचंद गंगवाल (कडेल वाले)
- महावीर महिला मण्डल, किशनगढ़
- श्रीमती सरिता पाटनी, किशनगढ़
- हेमन्द्र कुमार एडवोकेट, बांसवाड़ा
- महावीर प्रसाद अजमेरा जैन गजट वरिष्ठ संवाददाता, जोधपुर
- विमल कुमार बड़जात्या, किशनगढ़ (मरवा वाले)
- कमल कुमार वैद (ज्वैलर्स)
- श्रीमती जया पाटनी पुराना हाउसिंग बोर्ड, किशनगढ़
- कुशल ठोल्या, जयपुर
- श्रीमती ममता सोगानी, जयपुर

प्रभावना दिवाकर, श्रमण धर्म प्रभाकर, करूणा सागर, अहिंसा तीर्थ-प्रणेता, राष्ट्रसन्त, पंजाब श्रावक उद्धारक, सरलमना, ग्राम मंदिर उद्धारक, इटावा गौरव, संस्कार प्रणेता, गुण-गौरव शिरामणि, पुरूषार्थ के पुरूषोत्तम, श्रमण-गौरव, राजकीय अतिथि, राष्ट्र सन्त, बालयोगी के चरणों में शत्-शत् नमन

आचार्य श्री प्रमुख सागर जी महाराज के अनमोल सूत्र

अपनी ओर न देखने वाले भविष्य में ढोर बन जाते हैं

-: नमनकर्ता/पुण्यार्जक :-

- श्रीमती प्रभा सेठी, गुवाहाटी
- श्रीमती रिंकी सेठी, विजयनगर
- श्रीमती सोनल पाटनी, कोलकाता
- श्रीमती शिम्पल सेठी, आठगांव, गुवाहाटी
- श्रीमती चन्द्रा बड़जात्या, गुवाहाटी
- श्रीमती रूपा रारा, गुवाहाटी
- सुभाष चूड़ीवाल, दिसपुर, गुवाहाटी
- राजकुमार टोंग्या, रेहाबाड़ी, गुवाहाटी
- विनोद कुमार गंगवाल, छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी
- पूर्वोत्तर प्रदेशीय दिगम्बर जैन महिला संगठन, गुवाहाटी
- श्रीमती हेमा पाटनी, पान बाजार, गुवाहाटी
- श्रीमती कुसुम बड़जात्या, गुवाहाटी

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी
किशनगढ़ केसरी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

गुणसागर जी महाराज का 14 वां स्मृति दिवस विनयांजली समारोह हुआ हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने की शिरकत

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

चकवाड़ा, 03.01.25। धर्मगुणामृत ट्रस्ट चकवाडा में विराजमान दिगम्बर जैनाचार्य श्री इंद्रनंदी जी महाराज, मुनि निर्भय नंदी जी महाराज, मुनि उत्कर्ष नंदी जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में मुनिवर्य गुणसागर जी महाराज का आज 14 वां स्मृति दिवस विनयांजलि समारोह सकल दिगंबर जैन समाज के सहयोग से हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। श्री सूरजमल- विमल कुमार जी पांपल्या, मदनगंज किशनगढ़ निवासी ने झंडारोहण करके कार्यक्रम की शुरुआत की। रितेश कुमार, रिंकू, आर्या, आर्जव वैद कोटखावदा परिवार ने दीप प्रज्वलित किया। वीर चंद, उषा जैन, गजेंद्र बड़जात्या कामां वाले वैशाली नगर जयपुर ने चित्र अनावरण किया।

इसमें ताराचंद जैन स्वीट कैटरर्स मुख्य ट्रस्टी जयपुर, क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक जैन अनोपडा, गुण सागर महाराज के संघपति विमल कुमार बड़जात्या मदनगंज किशनगढ़, उपाध्यक्ष विमल कुमार पाटनी, महामंत्री जयकुमार गंगवाल, कोषाध्यक्ष विनोद कुमार कलवाड़ा तथा प्रचार मंत्री नवीन कुमार गंगवाल सहित समस्त धर्मगुणामृत ट्रस्ट के पदाधिकारियों की अगुवाई में जैन समाज के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गुणसागर आराधना केन्द्र के गुण सागर जी महाराज के संघपति विमल जैन बड़जात्या, मदनगंज किशनगढ़ ने बताया कि उक्त कायक्रम समाधिस्थ आगम रक्षिका आर्यिकारत्न आदिमति माताजी एवं आर्यिका श्रुति माताजी, सुबोधमति माताजी, सुपार्श्वमति माताजी, गरिमामति माताजी, गम्भीरमति माताजी की मंगल प्रेरणा से प्रतिष्ठाचार्य पंडित विमल कुमार जैन बनेठा वालों के दिशा निर्देश सकल जैन समाज के सहयोग से विभिन्न मंत्रोच्चारणों के बीच आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के अध्यक्ष अशोक कुमार अनोपडा ने क्षेत्र की बहुयामी योजनाओं पर उद्बोधन दिया तथा सभी आगंतुक श्रद्धालुओं ने मुनिवर्य गुणसागर जी मुनिराज का अष्ट द्रव्यों से सामूहिक पूजन, विनयांजलि पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट किया। कार्यक्रम में आचार्य श्री के मंगल प्रवचन में सभी धर्म ने लाभ प्राप्त किया। शांतिनाथ जिनालय में श्रीजी का महामस्तकाभिषेक अभिषेक हुआ जिसमें सभी आगंतुकों ने सहभागिता निभाकर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के ट्रस्टी सदस्य महेंद्र कासलीवाल एवं प्रचार मंत्री नवीन गंगवाल तथा कोषाध्यक्ष विनोद कुमार कलवाड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के उप मुख्यमंत्री डा. प्रेमचंद बैरवा, फागी पंचायत समिति की प्रधान श्रीमती प्रेम देवी, दूदू के पूर्व प्रधान प्रकाश जैन, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमित जैन, प्रधानपति मोटाराम चौधरी एडिशनल एसपी मालपुरा, दूदू एडीएम गोपाल परिहार, उपखंड अधिकारी राकेश कुमार चौधरी फागी, एडिशनल एसपी शिवलाल बैरवा, डिवाइएसपी दीपक खंडेलवाल दूदू, फागी थाना अधिकारी मनोज कुमार बेरवाल, कार्यक्रम में परम संरक्षक श्री सुनील कुमार जैन, श्रीमती विमला देवी सोनी, आर्किटेक्ट महेंद्र अनोपडा, प्रसिद्ध वास्तुविद राजकुमार कोठारी, बाड़ा पदमपुरा के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन, आर्किटेक्ट अजय बाकलीवाल कोटा सहित अनेक राजनेता एवं अधिकारीगण तथा सामाजिक प्रबुद्धजनों ने कार्यक्रम में सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम की शोभा बढाई। कार्यक्रम में मुनि श्री ने डॉ. प्रेमचंद बैरवा को क्षेत्र की समस्याओं के लिए निराकरण करने का सुझाव देकर मंगलमय आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में पूरे राजस्थान के श्रद्धालुओं सहित सभी श्रावक- श्राविकाएं मौजूद थे।

मकर संक्रांति पर चाइनीज मांजा का उपयोग नहीं करें

कहा महावीर इंटरनेशनल अजय मेरू केंद्र के संरक्षक कमल गंगवाल ने

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

अजमेर, 27 दिसम्बर। अजमेर शहर में महावीर इंटरनेशनल अजयमैरू व पद्मावती केंद्रो की वर्धमान कॉम्लेक्स, सुंदर विलास अजमेर में संपन्न सामूहिक बैठक में महावीर इंटरनेशनल अजयमैरू केंद्र के संरक्षक कमल गंगवाल व अशोक छाजेड़ ने कहा कि मकर संक्रांति पर चाइनीज मांजा का उपयोग नहीं करें। माँझे से होने वाली जन-धन की हानि एवं पक्षियों को होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने के बारे में चर्चा की गयी। कार्यक्रम में पद्मावती केंद्र की अध्यक्षा श्रीमती मीना शर्मा व सचिव निकिता पंचोली ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल के इन दोनों केंद्रों के सयुंक्त तत्वावधान में मकर सक्रांति के अवसर पर पतंगबाजी के दौरान मांजे के प्रयोग से होने वाली दुर्घटना से बचाव के लिये पोस्टर का विमोचन किया गया।

महावीर इंटरनेशनल अजयमेरू के चेयरमैन गजेंद्र पंचोली व पद्मावती केंद्र की निवर्तमान अध्यक्षा गुंजन माथुर ने बताया कि मकर संक्रांति के अवसर पर ज्यादातर लोग पतंगों में चाइनीज मांझे का प्रयोग करते हैं इससे बेजुबान पक्षी मांझे में उलझकर घायल हो जाते हैं। पंख, आंख आदि को क्षति होती है और कई पक्षी तो मरण को प्राप्त हो जाते हैं। कई दुपहिया वाहन चालक के सामने पतंग व मांझे में उलझने की वजह से दुर्घटना की आशंका रहती है, इसकी जागरूकता के लिए ही ये पोस्टर छपवाकर आम जन में वितरित कर मांझे का प्रयोग नहीं करने के बारे में बताया गया। अजयमैरू के सचिव विजय जैन पांड्या ने बताया कि सभी से अपील की गई कि मकर संक्रांति के अवसर पर सभी लोग गायों को हरा चारा आदि खिलाते हैं और डालते हैं वो कृपया सड़क के बीच में न डालें तथा सड़क के किनारे ही खिलाएं इससे गायों और वहां वाहन चालकों को दुर्घटना आदि से बचाव होगा। इसके साथ ही सामाजिक सरोकार कार्यक्रम के अंतर्गत महावीर इंटरनेशनल अजयमेरु व पद्मावती केंद्र समय-समय पर निःशुल्क आयुर्वेदिक दवा वितरण कैम्प, स्कूली बच्चों के लिए गणवेश, स्वेटर वितरण, अस्पताल में मरीजों के लिए फल वितरण, पौधारोपण इत्यादि कार्यक्रम करवाते रहते हैं। इस अवसर पर अशोक छाजेड़, कमल गंगवाल, गजेंद्र पंचोली, विजय जैन पांड्या, राज कुमार गर्ग, सिद्धार्थ छाजेड़, माहुल प्रकाश छाजेड़, गौतम चंद जैन, लोकेश जैन सोजतीया, संतोष पंचोली, रविंद्र लोढ़ा, गुंजन माथुर, निकिता पंचोली, मीना शर्मा इत्यादि ने सभी से पुरजोर अपील की है।

सन्यासी को संसार के भौतिक सुखों की आवश्यकता नहीं है - आचार्य सुनील सागर जी

खमेरा ग्राम में सिद्धचक्र मंडल विधान में उमड़े अपार जैन बंधु

महावीर कुमार सरावगी, संवाददाता

खमेरा। यहां विराजमान आचार्य श्री सुनील सागर महाराज ने बताया कि मेरे गुरु आचार्य सन्मति सागर द्वारा बताया गया है कि सत्य अहिंसा सदाचार ही जीवन का सबसे बड़ा श्रृंगार है। जो सदाचार शाकाहारी जीवन जीते हैं उनका जीवन सदा ही मंगलमय रहता है। आज इस पंचम काल में भी धरती के लोग तो साधुओं का सत्कार व सम्मान बहुत करते हैं, जैन साधु जीवन जीने का मार्ग बतलाते हैं। मेरे गुरु चक्रवर्ती आचार्य सन्मतिसागर जी महाराज अपने सन्यासी शिष्यों को अधिक से अधिक आत्मध्यान की प्रेरणा देते थे। आधुनिक भौतिक उपकरणों का न खुद उपयोग करते थे ना शिष्यों को सलाह देते थे। एक बार एक अपरिचित त्यागी लंबी यात्रा करके उनके दर्शन करने के लिए गए और उनके एक शिष्य से कहा कि मेरे भक्त मुझे महंगे महंगे उपहार लाकर देते हैं और तुम्हें तो कोई कुछ भी लाकर नहीं देता है इस बात को सुनकर विरक्ति और त्याग की पराकाष्ठा को प्राप्त कर चुके गुरुवर ने कहा कि बीमारी को ही इंजेक्शन की जरूरत होती है, हम तो स्वस्थ हैं यानि स्व स्थित हैं। सांसारिक सुखों के त्यागी को भौतिक सुख ललचा नहीं पाते हैं। त्यागी को आत्मा में ही इतना सुख मिल जाता है फिर संसार का हर सुख उसके सामने बौना लगने लगता है। यदि सलामत पैरों वाला कोई व्यक्ति बैसाखियों को देखकर ललचाए तो उसकी बुद्धि पर तरस आता है यह तो ठीक है ऐसे है जैसे कोई प्रधानमंत्री को कहे किंतु प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दे दो मैं तुम्हें अपने गांव का सरपंच बना दूंगा।

जैन सोशल ग्रुप कोटा के वर्ष 2025 -27 के चुनाव संपन्न हुए

पारस जैन, कोटा

जैन सोशल ग्रुप कोटा मैन के रजत जयंती वर्ष 2025-27 के चुनाव में अध्यक्ष प्रदीप जैन उपाध्यक्ष जम्मू हरसौरा, सचिव मनीष बाकलीवाल, संयुक्त सचिव सरिता मनोज जैन सहित 18 बोर्ड मेंबर चुने गए। चुनाव अधिकारी राकेश जैन नरेश पांड्या ने फाउंडर प्रेसिडेंट सी. के. जैन, अनिल काला अध्यक्ष नरेंद्र सर्राफ ऐश्वर्या जैन, निशा वेद, कैलाश खेड़ा वाले की उपस्थिति में सम्पन्न करवाए। सचिव मनोज सेठिया ने अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया।

12, 13 जनवरी को गंभीरा में आचार्यश्री धर्म सागर महाराज का 112 जन्म जयंती महोत्सव

महावीर कुमार सरावगी, संवाददाता

नैनवां तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत गंभीरा में जन्मे महान तपस्वी संत शिरोमणि आचार्य श्री धर्म सागर जी महाराज का 112वां जन्म जयंती महोत्सव पौष शुक्ल पूर्णिमा 12, 13 जनवरी को जन्म भूमि गंभीरा में अपार धर्म प्रभावना से मनाया जाएगा। धर्मोदय तीर्थक्षेत्र गंभीरा के अध्यक्ष पदमचंद जैन नगर फोड़ ने जानकारी देते हुये बताया कि समारोह में आचार्य सुनील सागर महाराज के परम पावन शिष्य क्षुल्लक सुप्रकाश सागर जी महाराज का परम सानिध्य प्राप्त होगा। मंत्री कमलेश जैन सोगानी ने बताया कि इस जयंती महोत्सव में आने के लिए भक्त काफी पहले से इंतजार करते रहते हैं। आचार्य धर्म सागर महाराज हाडोती भाषा के महान ज्ञाता थे।

विश्व विख्यात मार्बल नगरी में जैन व जैनेतर समाज में खुशी की लहर दौड़ी

मुनि प्रणम्य सागर का होगा आगमन

संत शिरोमणि आचार्य विद्या सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम् योग प्रणेता मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज के किशनगढ़ आगमन की सूचना से पूरे अजमेर समाज में प्रसन्नता की लहर दौड़ गयी। मुनिश्री के मीरा मार्ग चातुर्मास के कलश स्थापना के समय लाखों लोगों की दुआयें जिनके साथ चलती हैं। अशोक जी पाटनी ने पूरे किशनगढ़ समाज के साथ मुनिश्री को किशनगढ़ पदार्पण के लिये निवेदन किया था। 2 जनवरी को वैशाली नगर से मुनिश्री के किशनगढ़ की ओर विहार करने के समाचार हैं इससे किशनगढ़ के लोगों में अपार प्रसन्नता है। अभी हाल ही में प्रातः स्मरणीय त्रिकाल वंदनीय जिनके दर्शन करने मात्र से भावों में पवित्रता, परिणामों में निर्मलता स्वमेव प्रकट हो जाती है ऐसे आचार्य सुनील सागर जी महाराज का चातुर्मास किशनगढ़ में हुआ। आचार्य श्री के विहार के बाद सूनापन आना स्वाभाविक है, वह सूनापन अब मुनि प्रणम्य सागर महाराज के आगमन से दूर हो जायेगा। ''संतों का जब आगमन हो, होता हर्ष अपार। संतों का जब गमन हो, लगता संसार असार।। किशनगढ़ का जैन समाज मुनिश्री के आगमन में पलक पावड़े बिछाये इंतजार कर रहा है।

– शेखचंद पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता किशनगढ़ केसरी

अरिट्ठापट्टी और मांगुलम जैन केंद्र बचाने के लिए किया प्रदर्शन

डा. दिलीप धींग

चेन्नई। मदुरै जिले के मेलुर तालुक में अरिट्ठापट्टी और मांगुलम स्थानों की प्राचीन जैन विरासत को बचाने के लिए 28 दिसंबर, शनिवार को 'अहिंसा वॉक' संस्था द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया। जिनकांची (मेल सितामुर) मठ के वरिष्ठ भट्टारक लक्ष्मीसेन की उपस्थिति में यह शांतिपूर्ण प्रदर्शन चेन्नई कलक्टर कार्यालय के बाहर किया गया, जिसमें महिलाओं और नवयुवकों सहित सैकड़ों व्यक्तियों ने भाग लिया। बताया गया कि केन्द्र सरकार ने वेदांता कंपनी की सहायक हिंदुस्तान जिंक को अरिट्ठापट्टी और मांगुलम में टंगस्टन खनन का लाइसेंस दिया है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि केन्द्र सरकार अरिट्ठापट्टी और मांगुलम में टंगस्टन खनन के लाइसेंस को तुरंत निरस्त करें। उन्होंने काली पट्टी बांधकर बचाओ! बचाओ! ऐतिहासिक धरोहर को बचाओ जैसे नारे लगाए। भगवान महावीर फाउंडेशन के संस्थापक राजस्थान-रत्न सुगालचंद जैन ने इस अभियान के लिए अपना पूरा समर्थन जताया। साहित्यकार राजस्थान श्री डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि तात्कालिक लाभ-लोभ के लिए तमिल-ब्राह्मी लिपि के अभिलेख, कला, शिल्प, संस्कृति और इतिहास की अनमोल विरासत को मिटाना तथा पर्यावरण को नष्ट करना बुद्धिमानी नहीं है। तमिलनाडु राज्य अल्पसंख्यक आयोग में सदस्य पी. राजेन्द्र प्रसाद, तमिल पत्रिका मुकुडै के संपादक प्रो. कनक अजितदास, अहिंसा वॉक के संस्थापक ए. श्रीधरन आदि वक्ताओं ने कहा कि इस क्षेत्र में अनेक गांव हैं। खनन से हजारों लोगों की आजीविका और शांत ग्राम्य जीवन तहस-नहस हो जाएगा। खनन होने से इस क्षेत्र के लगभग 2400 वर्ष पुराने पुरातात्विक स्थल, स्मारक और अभिलेख नष्ट हो जाएंगे। अरिट्ठापट्टी तमिलनाडु का प्रथम जैव विविधता संरक्षण क्षेत्र है। यहां जीवों की 250 प्रजातियां हैं। यह जलग्रहण क्षेत्र भी है। खनन से पर्यावरण, जैव विविधता, पारिस्थितिकी और खेती-बाड़ी को भी बेहिसाब नुकसान पहुंचेगा। तमिलनाडु सरकार, देश-प्रदेश के बुद्धिजीवी और पर्यावरण प्रेमी भी केन्द्र सरकार के इस कदम के पक्ष में नहीं हैं।इस अवसर पर शशिकला, डी. रविचंद्रन, टीडी दास, पोन विजय कुमार, एमडी पांडियन, संजय सुकुमार, धनंजय और बाबू भी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रो. कनक अजितदास को कवि डॉ. दिलीप धींग द्वारा संपादित अष्टपाहुड ग्रंथ भेंट किया गया।

मानसरोवर निवासी जिनेश कुमार जैन ने 32 देशों में जयपुर का किया नाम रोशन

जिनेश कुमार जैन ने बैग और बैग में रखें रू. 100000 नगद, लैपटॉप, चार्जर आदि सामान नितेश गहलोत को लौटाकर अपना और अपने जैन समाज का ही नहीं बल्कि पूरे भारत देश का 32 देशों से आए लोगों में नाम रोशन कर दिया।

जिनेश कुमार जैन ने सांगानेर सदर थाना में नितेश गहलोत पुत्र नरेंद्र गहलोत को उसका बैग और बैग में रखे रू. 100000 नगद, लैपटॉप, चार्जर आदि सामान पुलिस एवं भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ता सुनील जैन गंगवाल, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के उपाध्यक्ष लोकेश सोगानी एवं जवाहरात व्यवसायी आशीष तोतूका की मौजूदगी में लौटाया।

शेष पृष्ट 1 का.....

5 एकड़ जगह प्राकृतिक बीज संरक्षण केंद्र के लिए सुरक्षित रहेगी। राजकुमार जैन ने बताया कि 38 एकड़ भूमि में से 5 एकड़ भूमि प्राकृतिक बीज संरक्षण केंद्र के लिए सुरक्षित रखी जाएगी। उन्होंने बताया इस बीज संरक्षण केंद्र का काम वे खुद संभालेंगे और यहां पर सब्जियों और खाद्यान के गैर वर्ण शंकर बीजों का उत्पादन करेंगे। उन्होंने बताया कि मुनिश्री ने इस काम के लिए भी आशीर्वाद दिया है। उन्होंने बताया कि भोपाल रोड पर स्थित दयोदय गौ शाला के लिए भी उन्होंने ही आचार्य श्री के आशीर्वाद 1998 में ढाई एकड़ भूमि दान में दी थी। यह पहली गौ शाला थी।

हित का अवसर गवाने वाले को नीति में गवार कहते हैं

मुनिश्री समतासागर महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश वारा सिवनी में

वारा सिवनी। ''प्रयास उन्हीं के सफल होते हैं जिनके मन में प्यास होती है'' उपरोक्त उद्गार निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज ने वारासिवनी आगमन पर मुख्य चौराहे पर आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आगमन के समय जो प्रस्तुति बारासिवनी जैन समाज ने दी है वह धर्म प्रभावना के लिये अभूतपूर्व है। उन्होंने बारासिवनी की समस्त जैन समाज जिसमें दिगम्बर एवं श्वेताम्बर जैन समाज शामिल है सभी को आशीर्वाद देते हुये कहा कि जिस कार्य में आचार्य गुरुदेव का आशीर्वाद रहता है वह कार्य कभी अधूरा नहीं रहता है बल्कि पूर्ण प्रभावना के साथ संपन्न होता है। उन्हीं के मंगल आशीर्वाद से यह पाषाण का भव्य जिनालय बनकर तैयार हुआ है जिसमें मूलनायक विमलनाथ भगवान की प्रतिमा प्रतिष्ठित होने जा रही है। जैसी कि मुझे जानकारी दी गई है कि लगभग 150 वर्ष पश्चात यहां पंचकल्याणक महामहोत्सव संपन्न होने जा रहा है। आचार्य गुरुदेव समयसागर महाराज का भरपूर आशीर्वाद है, संघस्थ ऐलक श्री निश्चयसागर महाराज एवं ऐलक निजानंद सागर महाराज और पूर्व से विराजमान आर्यिका संघ का भी सानिध्य आप सभी को मिलने वाला है। प्रतिष्ठाचार्य विनय भैयाजी के द्वारा यह पंचकल्याणक महामहोत्सव संपन्न होगा। मंगल अगवानी में आर्यिका निष्काममति माताजी ससंघ तथा सकल दि. जैन समाज बारासिवनी के साथ महिला मंडलों एवं बालिका मंडल ने जयघोष एवं अनुशासन के साथ भव्य मंगल अगवानी की। इस अवसर पर स्थानीय विधायक श्री विवेक पटेल जी एवं व्यापारी समाज, मुस्लिम समाज, सिन्धी समाज एवं समस्त हिंदू संगठनों के गणमान्य नागरिकों ने मुनिसंघ की भव्य मंगल अगवानी की। अगवानी के पश्चात मुनिसंघ ने जिनालय की वंदना की एवं तत्पश्चात धर्मसभा आयोजित हुई जिसमें दीप प्रज्ज्वलन, शास्त्र भेंट किए गए एवं मुनि श्री का पाद प्रक्षालन हुआ।

- संकलन (अविनाश जैन विद्यावाणी)

राजकीय अतिथि, कवि, हृदय, वात्सल्य मूर्ति, अभीक्ष्ण ज्ञानपयोगी, आचार्य 108 श्री शशांक सागर जी मुनिराज चाकसू जिला जयपुर में विराजमान हैं

शशांक वाणी - पार्ट - 01

जिनके चरणों में लगी हुई तीर्थों की पावन रजकण, बड़े भाग्य से मिल पाता उन चरणों का स्पर्शन जिनकी हितमित प्रिय वाणी हरती है धरती का क्रंदन, ऐसे आचार्य शशांक सागर जी के चरणों में हमारा शत शत नमन

अपने वीर्य को आत्महित में नहीं लगाओगे तो नपुंसक हो जाओगे

-: नमनकर्ता/पुण्यार्जक :-

1. श्रेष्ठी ऋषभ कुमार सेठी (अध्यक्ष तिलक नगर, जयपुर)
2. पवन कुमार बड़जात्या मरवावाले किशनगढ़
3. श्रेष्ठी विनित चांदवाड़ (सिद्धार्थ नगर, जयपर)
4. श्रेष्ठी अनूप चंद जैन (भुसावर वाले, जयपुर)
5. श्रेष्ठी महेश-राकेश कुमार ठोलिया (मारूजी का चैक, जयपुर)

1. अरूण कुमार काला अध्यक्ष (कीर्ति नगर जयपुर)
2. अशोक चांदवाड, (वसुन्धरा कॉलोनी, जयपुर)
3. भंवरी देवी काला ध.प. महेन्द्र काला, (स्वर्णपथ मानसरोवर जयपुर)
4. श्रीमती राखी गंगवाल, (आदिनाथ नगर, जयपुर)
5. प्रेमचन्द सुभाषचन्द लक्ष्मी बगड़ा (नेमीसागर कालोनी, जयपुर)

विज्ञापन प्रेषक: R.K.Advertising मदनगंज किशनगढ़ द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatin777@gmail.com

सम्पादकीय

नए वर्ष के तीन संकल्प

नए वर्ष का पहला संकल्प: कभी किसी की पीड़ा का असम्मान नहीं करूंगा। पीड़ा सहज ही सहानुभूति पैदा करती है। कोई आदमी दर्द के मारे कराह रहा हो, तो खिलखिला कर हंसता हुआ आदमी भी एक बार तो चुप हो ही जाता है- अगर वह सुबह-शाम दर्द, कराह और बेहोशी के बीच काम करने वाला डाक्टर या नर्स न हुआ। लेकिन कभी-कभी कराह हंसी भी पैदा करती है। अगर किसी मूर्ख क्लर्क को इस बात पर बार-बार रोना आता है कि उसकी उम्र पचास पार कर रही है, फिर भी उसे हेड क्लर्क नहीं बनाया जा रहा है तो आप उसके सामने तो नहीं, पर मन-ही-मन और उसके चले जाने के बाद हंसेंगे नहीं तो क्या करेंगे? यही सिद्धांत घटिया-बल्कि दो कौड़ी का साहित्य लिखने वाले उस लेखक पर भी लागू होता है, जो हर साल दिसंबर की शुरुआत में यह इंतजार करने लगता है कि साहित्य अकादमी पुरस्कारों की सूची में इस बार उसका नाम जरूर होगा। ऐसे लेखक के साथ कौन सहानुभूति प्रकट करेगा? फिर जब सूची प्रकाशित हो जाए और तेरहवें साल भी उसका नाम इस सूची में न आए और वह अखबार का पन्ना दबोचे गमगीन बैठा हो, इस तरह की आंसू अब गिरे, तब गिरे तो किस तर्क से यह जरूरी है कि उसे देख कर आप भी रुआंसे हो जाएं?

हमारे आसपास हमेशा ऐसे पात्र होते हैं, पात्राएं भी, जो अपनी मूर्खताओं, अज्ञानों, अपेक्षाओं, आलोचनाओं और मौलिक अवदानों से लगातार दूसरों के लिए हास्य और मनोरंजन की सृष्टि करते रहते हैं। इन पर हंसने की परंपरा इनके जितनी ही ठोस और प्राचीन है। मैं इस परंपरा को तोड़ने का संकल्प करता हूं। पीड़ा खरी है, तो वह सम्मान का विषय है। वह निराधार या झूठी है, तब वह करुणा और सहानुभूति का विषय है। किसी को असली भूत सता रहा है तो आप उसे दिलासा देंगे, उसकी सहायता करने की सोचेंगे (कर पाएं या नहीं यह अलग बात है) । किसी को यह भ्रम हो जाए कि उसे भूत सता रहा है, इससे उसकी पीड़ा कम कैसे हो जाती है?

नए वर्ष का दूसरा संकल्प: मैं अपने सभी आलोचकों की इज्जत करूंगा। अपने प्रशंसकों का सम्मान करना, उनकी राय को खरा और प्रामाणिक मानना, ऐसे भद्र पुरुषों (यहां 'पुरुष' में महिला शामिल है, जैसे अधिकतर भारतीयों के लिए 'कमरों' में कम या किसी युवा सुंदरी के मामले में 'कमर' में 'कम' शामिल है) के ज्ञान और विवेक के गुण गाना-यह सब अत्यंत स्वाभाविक है। इसी से चापलूसों के बीच इस मान्यता का सबलीकरण हुआ है कि कोई कितना ही गंभीर, सख्त या कड़ियल हो चापलूसी से बचकर कहां जाएगा। बहुत से लोग प्रशंसा और चापलूसी के बल पर ही अपना औसत से लंबा जीवन गुजार देते हैं। क्या आपको (सामयिक रूप से) सफल लोगों की सूची में ऐसे व्यक्ति कभी नहीं मिले जो किसी की बुराई या आलोचना कर ही नहीं सकते? साहित्य और समाज में अजात शत्रु होने का एक रहस्य यह भी है।

इसके विपरीत अपने सच्चे से सच्चे और प्रामाणिक से प्रामाणिक आलोचक को भी संदेह और विरोध की दृष्टि से देखा जा सकता है ? जो मेरी आलोचना करता है, वह अच्छा या समझदार कैसे हो सकता है? बड़े से बड़े लोग सोचते हैं मुझमें क्या कमी है कि कोई मेरी आलोचना करे। मैं भी ऐसे ही सोचता था। जब मैंने देखा कि इस प्रकार के आलोचना विरोधी लोगों की संख्या बड़ी है साहित्य में और उसके बाहर भी, तो मैं डर गया। मेरे मन में प्रश्न पैदा हुआ कि अपने अनजाने में कहीं मैं भी तो इन्हीं में नहीं हूं? थोड़ा विचार करते ही यह स्पष्ट हो गया कि मुझे अपने प्रशंसकों का सम्मान कम करना चाहिए और अपने आलोचकों की इज्जत ज्यादा करनी चाहिए। अतः नए वर्ष का दूसरा संकल्प यह है कि कोई मेरी झूठी, गलत, द्वेष पूर्ण, ईर्ष्या प्रेरित, अहंकारी और शत्रुतापूर्ण आलोचना करे, तब भी मैं उसका अनादर नहीं, विशेष ख्याल रखूंगा जो अपने सुखमय भविष्य की सम्मान ही करूंगा। साथ ही, उन मासूमों का बाट जोह रहा है।

नए वर्ष का तीसरा संकल्प: मैं अपने करीब के व्यक्तियों से सर्वगुण संपन्न होने की मांग नहीं करूंगा। अपने प्रिय, आत्मीय व्यक्तियों, दोस्तों और खासकर जीवन साथी से हमारी मांगों का सिलसिला कभी खत्म ही नहीं होता। जो व्यक्ति हमारे जितना निकट होता है, उससे हमारी अपेक्षा उतनी ही ज्यादा होती है। यह प्रेम की तानाशाही है। हम दूसरों से जितनी अपेक्षा करते हैं, क्या उतना ही ध्यान इस बात का भी रखते हैं कि हमें भी तो उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना चाहिए? और यह क्या बात हुई कि सारे बुरे, दुर्गुण संपन्न व्यक्ति हमारे दायरे से बाहर रहें, और जो किसी अच्छे या बुरे संयोग से हमारे साथ मिले हैं, उनमें गुण ही गुण हों। ऐसा कहीं होता है? या हो सकता है? फिर तो हमें ईश्वर की तरह जीना होगा, जो सबमें है और सबसे निस्संग भी हो? अगर मैं अपने शत-प्रतिशत अच्छा होने की गारंटी नहीं दे सकता, तो दूसरों से यह गारंटी कैसे चाह सकता हूं। क्या इतना ही काफी नहीं है कि मेरे प्रियजन मेरे प्रियजन हैं? अगर वे अच्छा होने के कारण ही मेरे प्रियजन बने रह सकते हैं, तो इसमें मेरी बहादुरी क्या हुई-फिर तो मेरा प्रेम उनका सहज प्राप्य है। अगर उनकी कमियों के बावजूद, मैं उनसे प्रेम करता हूं, तभी अपने प्रेम पर इतराना चाहूं तो इतरा सकता हूं। इसलिए मैं अपने जन की कमियों या दुर्विशेषताओं की ओर से आंखें नहीं मूंद लूंगा, पर इनके कारण उनसे नफरत भी नहीं करूंगा। उनके गुण मेरे व्यापक व्यक्तित्व का हिस्सा है, तो उनके अवगुण भी मेरे ही हुये।

- कपूरचन्द्र पाटनी
प्रधान सम्पादक

आधुनिक शादियों का दिखावा और परंपराओं का हास्य: एक व्यंग्यात्मक विश्लेषण

डॉ. संतोष जैन
काला (CA)
गुवाहाटी
मो. 9435048488

भारतीय शादियां हमेशा से सादगी, परंपराओं और पारिवारिक भावनाओं का प्रतीक रही है परंतु आधुनिक युग में ये शादियां किसी फिल्मी ड्रामे से कम नहीं लगतीं। हर रस्म और परंपरा पर आधुनिकता का ऐसा रंग चढ़ गया है कि उनकी असली पहचान खो चुकी है। अब शादी सिर्फ दो दिलों का मिलन नहीं, बल्कि फोटोग्राफी, इंस्टाग्राम रील्स, और भव्य दिखावे का त्योहार बन गई है। विवाह से जुड़ी कुछ नई प्रथाएं, जैसे प्री-वेडिंग शूट, बैचलर पार्टियां, महिला संगीत का फूहड़ स्वरूप और बारात में भौंडा प्रदर्शन, हमारे सामाजिक और धार्मिक मूल्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। आइए, इन शादियों की बदलती तस्वीर पर एक व्यंग्यात्मक दृष्टि डालें।

1. प्री-वेडिंग शूट: बॉलीवुड की नकली दुनिया - पहले के समय में लड़का और लड़की शादी से पहले एक-दूसरे की शक्ल ठीक से नहीं देख पाते थे। आजकल, शादी से पहले प्री-वेडिंग शूट्स के नाम पर ऐसा लगता है मानो वे किसी फिल्म के हीरो-हीरोइन हों। पहाड़ों की चोटी, समंदर के किनारे या फिर फूलों से भरे बागानों में फोटोग्राफी का ऐसा आयोजन होता है कि शादी से ज्यादा समय और पैसा इसी पर खर्च हो जाता है।

व्यंग्य: ''अब प्री-वेडिंग शूट शादी का ट्रेलर बन गया है। शादी तो बाद में होगी, लेकिन पहले पूरी दुनिया को दिखा दो कि ये 'जोड़ी कितनी पिक्चर परफेक्ट है।''

2. बैचलर पार्टियां: जश्न या नैतिकता की तिलांजलि - शादी से पहले की बैचलर पार्टियां अब शराब, नशा और अनैतिक गतिविधियों का पर्याय बन चुकी हैं। पहले शादी से पहले दूल्हा अपने दोस्तों से विदाई की बातचीत करता था, अब पार्टियों में वो ऐसी हरकतें करता है, मानो शादी के बाद सब खत्म हो जाएगा। जैन धर्म संयम, त्याग और पवित्रता पर आधारित है। बैचलर पार्टियां इन सभी सिद्धांतों का उल्लंघन करती हैं। ये आयोजन न केवल विवाह की पवित्रता को ठेस पहुंचाते हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को भी गलत संदेश देते हैं।

''सच्चा जैन वही है,
जो संयम और धर्म के मार्ग पर चले।''

व्यंग्य: बैचलर पार्टी का मतलब है शादी के पहले सब गुनाह माफ और शादी के बाद तो वैसे भी गुनाह करने की परमिशन नहीं मिलेगी।

3. महिला संगीत: नृत्य या अश्लील प्रदर्शन? - महिला संगीत कभी पारंपरिक लोकगीतों और भजनों का संगम था। आज यह भड़काऊ गानों और नृत्य का मंच बन चुका है। नाचने वालों का जोश ऐसा होता है मानो किसी डांस रियलिटी शो का फाइनल हो। यह ऐसा मंच बन गया है जहां डांस करने की ''खाज'' वालों का सपना पूरा होता है। चाहे लय हो या न हो, हर कोई भौंडे डांस से अपनी कला का प्रदर्शन करने से नहीं चूकता। व्यंग्य: महिला संगीत में अब भक्ति गीत कम और आइटम नंबर ज्यादा सुनाई देते हैं। लगता है, सास-बहू भी अब 'डांस इंडिया डांस की प्रतियोगिता में हिस्सा लेने को तैयार हैं।''

उदाहरण: एक बार एक महिला संगीत में दादी ने कहा, ''चलो बेटा, मैं श्याम तेरी बंसी'' गाऊंगी। '' तो पोती ने जवाब दिया,'' ''नहीं दादी, अभी लॉन्ग लाची पर डांस चल रहा है। आप बाद में ट्राई करना।

4. बारात: नाच-गाना और शोर-शराबा - बारात जो कभी एक गरिमामय परंपरा थी, अब सड़कों पर शोर-शराबा, नशे और ट्रैफिक जाम का कारण बन चुकी है। बाराती नाचते-गाते ऐसे आते हैं, मानो लाल किला खरीदने जा रहे हों। गाजे-बाजे और डांस के शोर में शादी की पवित्रता और उद्देश्य कहीं खो सा जाता है। मारवाड़ी शादियों में बारात, जो कभी एक गरिमामय परंपरा थी, आज भौंडे नृत्य, शराब और आतिशबाजी का माध्यम बन चुकी है। सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और पुरुषों का अशोभनीय नृत्य समाज में गलत संदेश देता है।

व्यंग्य: ''बारात का नृत्य ऐसा होता है कि दूल्हा भी सोचने लगता है, शादी करूं या भाग जाऊं।''

उदाहरण: एक बारात में ऐसा शोर था कि एंबुलेंस रास्ता नहीं बना पाई। दुल्हन के पिताजी ने कहा, ''बारात तो आई, लेकिन किसी की विदाई से पहले मरीज की विदाई हो गई।''

5. हल्दी की रस्म: फोटोग्राफी का पीला त्योहार - हल्दी की रस्म, जो कभी शुभता और पवित्रता का प्रतीक थी, अब पूरी तरह फोटोग्राफी और दिखावे पर आधारित हो गई है। लोग हल्दी लगाने के बजाय एक-दूसरे पर ऐसे फेंकते हैं, जैसे होली खेल रहे हों। ऐसा लगता है जैसे पूरे परिवार और मेहमानों पर हल्दी नहीं बल्कि पीलिया का कहर बरस गया हो। हर कोई सिर से पैर तक पीले रंग में रंगा नजर आता है।

व्यंग्य: हल्दी की रस्म अब हल्दी फेस्टिवल बन चुकी है। जहां रंग से ज्यादा कैमरे और मेकअप का बोलबाला होता है। पहले हल्दी का महत्व था कि यह वर-वधू को शुद्ध और शांत बनाती थी। अब इसे एक ''पूल पार्टी'' के नाम से बदला जा रहा है। हल्दी लगाते हुए दोस्त और रिश्तेदार स्विमिंग पूल में कूदते हैं, मानो शादी नहीं बल्कि किसी बीच रिसॉर्ट का प्रचार कर रहे हों। हल्दी लगाते-लगाते कब पानी की लड़ाई शुरू हो जाए, पता ही नहीं चलता। और हां, यह सब ''इंस्टाग्राम स्टोरी'' के लिए होता है। लगता है हल्दी लगाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि दूल्हा-दुल्हन के साथ-साथ कैमरे के लेंस भी ''पीले'' हो जाएं।

6. मिनी बार की व्यवस्था – शादियों में अब एक नयी परंपरा ''मिनी बार'' की हो गई है। यह बार या तो खुले में होता है, जहां हर कोई आराम से जाम छलकाता है, या फिर गोपनीय कमरों में, जहां रिश्तेदार अपने ''सदाबहार मिक्सर ड्रिंक्स'' के साथ बैठते हैं। शादी के पवित्र मंडप से ज्यादा भीड़ ''बार'' में होती है। रिश्तेदार अपने गिलास को ऐसे संभालते हैं, मानो अगला पेग मिलना जीवन-मृत्यु का प्रश्न हो।

7. म्यूजिकल फेरे: पवित्रता का संगीत में विलय - फेरे, जो सात पवित्र वचनों का प्रतीक हैं, अब म्यूजिकल फेरे बन चुके हैं। जहां पंडित जी मंत्र पढ़ रहे होते हैं, वहीं बैकग्राउंड में बॉलीवुड गाने बज रहे होते हैं। विवाह के सात फेरे, जो कभी पवित्रता और आजीवन साथ निभाने की सात प्रतिज्ञाओं का प्रतीक थे, अब बॉलीवुड गानों और डीजे की धुनों पर झूमने का एक जरिया बन गए हैं। संगीत के शोर में उन वचनों का महत्व धूमिल हो जाता है, जो दो आत्माओं को एक पवित्र बंधन में बांधते हैं। ऐसा लगता है कि शादी के असली मकसद की बैंड' ही बजा दी गई है।

व्यंग्य: अब मंत्रों के साथ 'तुम ही हो का संगम हो चुका है। अगली बार फेरे के साथ शायद डीजे भी घुमा दिया जाए।

8. दिखावे का प्रभाव: गरीबों पर अन्याय - महंगे गहने, डिजाइनर कपड़े, और भव्य आयोजन ने शादियों को इतना महंगा बना दिया है कि गरीब परिवार इसे देखकर हीन भावना का शिकार हो जाते हैं।

व्यंग्य: ''आजकल की शादियों में दिखावा इतना होता है कि मेहमानों को लगता है, खाना कम खाएं, वरना गिफ्ट महंगा देना पड़ेगा।

उदाहरण: एक गांव में एक साधारण शादी देखकर मेहमानों ने कहा, ''अरे, कोई फायरवर्क नहीं? ये शादी है या पंचायत का फैसला ?

निष्कर्ष: आज की शादियों में प्री-वेडिंग शूट, बैचलर पार्टियां, महिला संगीत और बारात जैसे आयोजनों का भव्य और अशोभनीय स्वरूप हमारी संस्कृति और परंपराओं को कमजोर कर रहा है। विवाह, जो एक पवित्र संस्कार है, दिखावे और फिजूलखर्ची का माध्यम बनता जा रहा है।

सादगी की ओर लौटें - शादियां केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक पवित्र संस्कार हैं। यह वक्त है कि हम दिखावे और आधुनिकता के नाम पर खोई हुई सादगी और परंपराओं को वापस लाएं।

''सच्चा सौंदर्य सादगी में है, न कि दिखावे में। शालीनता और संयम हमारी संस्कृति की रीढ़ हैं, इन्हें खोकर समाज का पतन निश्चित है।'' आइए, शादियों को उनकी असली पवित्रता और गरिमा लौटाएं। वरना, आने वाले समय में लोग शादियों को फैशन शो समझने लगेंगे। दिखावे और अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। महंगे कपड़े, गहने, और प्रदर्शन से गरीब वर्ग में असंतोष फैलता है। फिजूलखर्ची और दिखावे से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हीन भावना का शिकार होता है। ''सादगी और अनुशासन से ही समाज में शांति और संतुलन स्थापित होता है।''

जैन गजट की सदस्यता, विज्ञापन या सहयोग राशि 'जैन गजट' के पक्ष में पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर शाखा, लखनऊ- 226004 उ.प्र. में सेविंग खाता संख्या 2405000100102500 (RTGS/NEFT IFSC CODE - PUNB 0185600) में आनलाइन/चैक द्वारा जमा कराकर डिपोजिट स्लिप सहित अपने पूर्ण नाम-पते, पिन कोड सहित निम्न पते/वाट्सअप/ईमेल पर भेजकर सूचित करने की कृपा करें-

जैन गजट कार्यालय- श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004
मोबा./वाट्सअप- 7607921391, मोबा. 7505102419
Email: jaingazette2@gmail.com

तीर्थराज सम्मेद शिखर की पावन पवित्रता पर मंडराता खतरा

'पारस जैन 'पार्श्वमणि', कोटा संवाददाता

प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण धरती का स्वर्ग 'एक बार बंदे जो कोई ताकि नरक पशुपति नहीं होई' ऐसे महान तीर्थ राज सम्मेद शिखर की बात है। तीर्थ स्थलों का कण-कण पूजनीय वंदनीय अभिनंदनीय होता है। तीर्थ स्थलों की पावन भूमि अनंतानंत जीवों के तप त्याग और साधना की रज से पवित्र होती है जिस जगह से करोड़ों जीवों ने संसार शरीर और भोगों को त्याग कर तप त्याग और साधना के मार्ग को अपनाकर संसार बंधन से मुक्त होकर मोक्ष को प्राप्त किया, ऐसे पवित्र पावन स्थल को अपवित्र करना कितने घोर पाप के बंध का कार्य हो रहा है। हर साल 14 और 15 जनवरी 2025 को लाखों की संख्या में लोग तीर्थराज पर्वत पर पर्यटन के लिए घूमने आते हैं। इन दो दिनों के लिए संपूर्ण भारत से जो यात्री श्रद्धालुगण शिखर जी आते हैं उनको पर्वत पर वंदना के लिए नहीं जाने दिया जाता है। ये लोग पूरे पर्वत पर अपवित्रता फैलाते हैं। संपूर्ण भारतवर्ष का जैन समाज मूकदर्शक बनकर देखता रहता है। ये कैसी विडंबना है। तीर्थ स्थलों पर जन्मों जन्मों के पापों का नाश और पुण्य का संचय होता है। ऐसे तीर्थ स्थल पतित से पावन कंकर से शंकर नर से नारायण बनने के लिए होते हैं। आज के कलयुग में हमें कैसे कैसे नजारे देखने को मिल रहे हैं। ये सब कई सालों से चल रहा है। ये प्रकृति में विकृति का बहुत बड़ा कारण बनता है। जब-जब मानव ने प्रकृति के आयामों के साथ खिलवाड़ किया है तब तब प्रकृति में विकृति आई है। हमें प्रकृति में संस्कृति का शंखनाद करना चाहिए। प्रकृति में विकृति का सबसे बड़ा रूप कोरोना सबको सबक सिखाकर चला गया। सादगी से जीवन जीने की कला भी सिखा गया। पूजनीय वंदनीय अभिनंदनीय पवित्र पावन स्थल को अपवित्र किया जा रहा है। ये संपूर्ण भारत वर्ष की जैन समाज के लिए बेहद दुखद शर्मनाक कलंकित घटना कही जा सकती है।

''कलयुग की ये कैसी बलिहारी है पाप और अत्याचार सब धर्म स्थल पर पड़ रहे भारी हैं।''

जैन समाज के जितने भी तीर्थक्षेत्र अतिशय क्षेत्र सिद्धक्षेत्र हैं उनकी पवित्र पावनता शुद्धता ज्यो की त्यों बनी रहनी चाहिए। इसके लिए सबसे पहले उन सभी क्षेत्रों के चारों ओर बाउंड्रीवाल करवा देना चाहिए। हम नए नए मंदिर बनाते जा रहे हैं और दूसरे हमारे प्राचीन तीर्थों और मंदिरों पर कब्जा करते जा रहे हैं। मुझे यह बात समझ नहीं आती कि संपूर्ण भारत में आज तक जैन समाज के द्वारा किसी भी अन्य धर्म या संप्रदाय के स्थान पर नाजायज कब्जा कर अपना धर्म स्थल घोषित नहीं किया तो फिर दूसरे धर्म के लोग क्यों हमारे तीर्थों धार्मिक स्थलों पर नाजायज कस्बा करने में क्यों लगे हुये हैं। ये बड़ा सोचनीय गंभीर विषय है। सबसे बड़ा उदाहरण गुजरात प्रांत में सिद्धक्षेत्र गिरनार जी को ले लीजिए वह भी हमारे हाथ से निकलता का रहा है। वहां दत्तात्रय मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए सरकार ने करोड़ों की राशि का बजट पास कर दिया। इंदौर गोम्मटगिरी तीर्थक्षेत्र में दूसरे समाज के लोगों के लिए जगह देनी पड़ी। दिल्ली का कुतुबमीनार न जाने कितने जैन मंदिरों को तोड़कर बनाया गया। जैन तीर्थक्षेत्र की रक्षा सुरक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है। अब समय की मांग है कि संपूर्ण भारत में जितने भी चातुर्मास जिस नगर जहां पर हों वहां पर एक तीर्थ रक्षा कलश की भी स्थापना करनी चाहिए। चातुर्मास के बाद उस राशि को उस अतिशय तीर्थक्षेत्र के बाउंड्रीवाल करवाने में लगा देनी चाहिए। ऐसा प्रयास किया जाना चाहिए। तीर्थों को पर्यटन स्थल नहीं अपितु जैन तीर्थ घोषित करना चाहिए। इनकी प्राचीनता, पावनता, पवित्रता, भव्यता, पुरातत्वता प्रमाणिकता ज्यों की त्यों बनी रहनी चाहिए। प्राचीन तीर्थ भारतीय संस्कृति की अनमोल धरोहर होती है। इसकी रक्षा सुरक्षा करना हमारा परम कर्तव्य बनता है।

आचार्य श्री वर्धमान सागरजी एवं आचार्यश्री सुनील सागर जी का हुआ भव्य मिलन

संत मिलन को जाइये तज माया अभिमान, ज्यों ज्यों पग आगे धरे कोटि यज्ञ समान।

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शांतिसागर महाराज की पट्ट परम्परा के पंचम पट्टाचार्य वात्सल्य वारिधि, आचार्य रत्न वर्धमान सागर महाराज एवं मुनिकुंजर आदिसागर महाराज (अंकलीकर) परम्परा के चतुर्थ पट्टाधीश चर्या चक्रवर्ती, वात्सल्य शिरोमणि आचार्य सुनील सागर महाराज का मिलन पारसोला की पावन धरा पर 27 दिसम्बर को हुआ।

सुनील सागर गुरु भक्त परिवार एवं पुलक मंच के राष्ट्रीय महामंत्री चन्द्र प्रकाश बैद ने जानकारी देते हुए बताया कि 21 वीं सदी के दोनों महान आचार्यों का महामिलन आज पारसोला में हुआ। बैद ने बताया कि आज मध्यान्ह चर्या चक्रवर्ती आचार्य सुनील सागर महाराज अपने विशाल संघ एवं हजारों गुरु भक्तों सहित धर्मनगरी मूंगाना से मंगल विहार करके पारसोला पहुँचे, मूंगाना से लेकर पारसोला तक पूरे रास्ते गुरुभक्त भक्ति करते हुए जयकारे लगाते हुए गए पारसोला पहुंचने पर वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज संघ के मुनिराजों एवं आर्यिका माताजियों ने आचार्य सुनील सागर महाराज संघ की भव्य अगवानी की।

उसके बाद भव्य जुलूस के साथ सभी साधुगण सन्मति भवन में विराजित आचार्य वर्धमान सागर महाराज के पास दर्शन करने पहुंचे वहां दोनों आचार्यों का महामिलन हुआ एवं संघ के अन्य सभी साधुओं ने दोनों आचार्य की वंदना की तत्पश्चात दोनों आचार्य अपने संघ एवं सभी समाजजनों सहित श्याम वाटिका पहुंचे, वहां पर आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य सुनील सागर महाराज ने कहा कि 'संत मिलन को जाइये तज माया अभिमान, ज्यों ज्यों पग आगे धरे कोटि यज्ञ समान' दिगंबर गुरुओं के दर्शन से भक्ति से कर्मों का नाश होता है उसमें भी दीर्घकालीन गुरुओं के दर्शन हो जायें तो सौभाग्य की बात है गुरुदेव ने कहा कि ''ना मान मे जिओ ना अभिमान मे जिओ महावीर में जिओ वर्धमान में जिओ'' कौन कहता है इतिहास नहीं दोहराता है जब जीवों का सौभाग्य उदय में आता है तो इतिहास दोहराता है। बीस वर्ष पूर्व तपस्वी सम्राट आचार्य सन्मति सागर जी महाराज एवं वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज का महामिलन इसी पारसोला की पावन धरा पर हुआ था और आज बीस साल बाद यह धरा पुनः धन्य हुई। गुरुदेव ने कहा कि महान वो लोग नहीं होते हैं जो अपनी शर्तों पर जीते हैं महान वो होते हैं जो अपनों के लिए अपनी शर्ते बदल देते हैं। गुरुदेव ने कहा कि कई बार लोग कहते हैं दो परम्परा हैं पर हम कहते हैं दो परम्परा नहीं दो परिवार। बोलो परम्परा तो भगवान महावीर स्वामी श्रमण परम्परा है और इस परम्परा की दो आंखे हैं आदिसागर महाराज एवं शांतिसागर महाराज साथ ही यह भी कहा कि आचार्य शांतिसागर महाराज के शताब्दी वर्ष को सिर्फमनाये ही नहीं बल्कि अपने जीवन में भी गुणगाने का उपक्रम करें। अंत में सभी भक्तों को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया, तत्पश्चात वात्सल्य वारिधि आचार्य रत्न वर्धमान सागर महाराज ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि आज का दिन मंगलकारी दिवस है क्योंकि आज दो संयमी संघों का आप एक साथ दर्शन कर रहे हैं। इतिहास पुनावृतीत होता है, इसी पारसोला में महान तपस्वी सन्मति सागर महाराज का दर्शन भी हमें हुआ था। आप सभी इस दृश्य के साक्षी बनने के लिए उपस्थित हुए हैं और यह दृश्य आपके नेत्रों के माध्यम से आपके हृदय में उतरा है। हृदय में उतरने के बाद तो यह बात रहती है कि ऐसे दृश्यों को कभी भूला नहीं जाता। साधु संतों में दूरिया बनाने में कारण श्रावक होते हैं। साधु संत अपने मन को दूरिया बनाने वाला नहीं रखते हैं, बीच में जब श्रावक हस्तक्षेप करते हैं पद यात्रियों का एक दूसरे के दर्शन हो जाना बहुत बड़ी बात होती है। गुरुदेव ने कहा कि कुछ दिवस पहले आर्यिका ज्योतिमती माताजी की समाधि हुई थी और कल आर्यिका तपनमती माताजी की समाधि हुई है जिनका अंतिम संस्कार आज प्रातः ही हुआ है। समाधि का मतलब समतत्त्व परिणाम का होना है और दोनों ही आर्यिका माताजी ने जिस प्रकार से समता का परिचय देते हुए अपनी साधना को साध लिया है, साधना को जीने वालों का ही जन्म के जैसे मृत्यु का भी महोत्सव बन जाता है। साधुओं का दर्शन करना बड़े सौभाग्य की बात होती है। सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी जीवन को सार्थक बनायें और देव शास्त्र गुरु जो हमारे रत्नत्रय के आधार हैं उन देव शास्त्र गुरु के प्रति हमारी श्रद्धा सम्यकदर्शन का रूप धारण करके हमारे जीवन को सार्थक कर सके ऐसा प्रयत्न एवं पुरषार्थ हम सभी को करना चाहिए। बैद ने बताया कि महामिलन पर किशनगढ़ से भी सुनील सागर गुरु भक्त परिवार के 150 से भी ज्यादा गुरुभक्त सम्मिलित हुए थे जिसमे अरविन्द बैद, मुकेश काला, जयकुमार बड़जात्या, मनीष गंगवाल, सुरेन्द्र बज, मनीष गोधा सहित अनेक भक्त सम्मिलित थे। आवागमन व्यवस्था में नितेश पाटनी, प्रेम बड़जात्या, मनोज बैद, संजय बाकलीवाल, पंकज बड़जात्या, सुभाष चौधरी एवं जीतू पाटनी का विशेष सहयोग रहा।

- शेखचंद पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता किशनगढ़ केसरी

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...
डायनामिक इंजीनियर्स प्रा. लि.
28, बैरकपुर ट्रन्क रोड
कोलकाता- 700002 'प.बं.'
फोन : 25577534

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...
VIJAY KUMAR GANGWAL
CROWN Enterprises Pvt. Ltd.
GUWAHATI-781001
Phone : 2517274, Mobile : 98640-20611
e-mail : distribution@crownenterprisesprivatelimited.com

बूंदी में चौथा प्रतिभा सम्मान समारोह एवं परिचय सम्मेलन संपन्न हुआ

महावीर कुमार सरावगी, संवाददाता

जिला बूंदी में 22 दिसंबर रविवार को चोगान जैन नोहरे 11:00 बजे परिचय सम्मेलन मुख्य अतिथि श्री बाबूलाल जैन ट्रेड सेंटर कोटा खंडेलवाल सरावगी समाज जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जैन पाटनी, अतिथि पुलिस उपाधीक्षक अंकित जैन, बिरधी चंद जैन छाबड़ा, कोषाध्यक्ष रमेश बड़जात्या, जिला उपाध्यक्ष महावीर कुमार सरावगी, खंडेलवाल सरावगी समाज बूंदी के अध्यक्ष रविंद्र जैन काला, पूर्व अध्यक्ष देवलाल गंगवाल, मंत्री राजेंद्र छाबड़ा, प्रवक्ता मुकेश लुहाड़िया, धनराज कटारिया, प्रकाश जैन बड़जात्या नैनवां आदि द्वारा भगवान महावीर के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभ प्रारंभ हुआ। मंगलाचरण की प्रस्तुति रिसिया लुहाड़िया काशवी चांदवाड़ द्वारा की गई। इस परिचय सम्मेलन में 38 युवक युवतियों का रजिस्ट्रेशन हुआ। संपूर्ण जिलों के गांवों से उपस्थित होकर युवकों द्वारा अपना बायोडाटा पढ़कर बताया गया। अपनी क्वालिफिकेशन, अपने गांव, अपनी शाखाएं, माता-पिता के नाम आदि उन्होंने बताया।

समारोह के बीच में अपने-अपने विचारों से अवगत कराने के लिए प्रथम जिला अध्यक्ष राजेंद्र जैन पाटनी, प्रमोद जैन गंगवाल, देव लाल जैन गंगवाल, रविंद्र जैन काला, संजय जैन एडवोकेट, डॉक्टर प्रतीक्षा जैन, ओम जैन बड़जात्या, जैन गजट पेपर के संवाददाता महावीर सरावगी नैनवां ने बताया कि आज के लड़के-लड़कियों को जैन संस्कारों के हित में रखकर ही अपनी शादी जैन समाज में ही करना चाहिए लड़कियों को भी जैन समाज के लड़कों से ही शादी करना चाहिए। विशेष जोर इस बात पर दिया कि हम जैन कुल में जन्म लेकर भी अजैन लड़कियों से शादी करके घर पर लाने पर हमारा जैन धर्म नहीं चल सकेगा। माता-पिता द्वारा भी बच्चों को सुसंस्कारी करें कि जैन सिद्धांत पर चलने से हमारा जैन धर्म जिंदा रह पाएगा, बच पाएगा। दूसरे दौर में प्रतिभा सम्मान समारोह स्वागत सम्मान के लिए शकुंतला जैन बड़जात्या को आमंत्रित किया गया।

सम्मान समारोह में जिले की सदस्या श्रीमती सुमन बाकलीवाल, श्रीमती निर्मला पाटनी, श्रीमती बबीता गंगवाल द्वारा समारोह में स्वागत सम्मान में पूर्णतया सहयोग प्रदान किया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह चतुर्थ बार जिला बूंदी में लड़के लड़कियों के परीक्षाओं के अच्छे परिणाम में 75 प्रतिशत से ऊपर आने वाले 69 छात्र-छात्राओं का अभिनंदन स्वागत सम्मान किया गया।

कर्तव्यों का सम्यक निर्वहन ही सच्चा धर्म है: आर्यिका विभाश्री

राज कुमार अजमेरा/नवीन जैन, संवाददाता

कोडरमा, 23 दिसंबर। श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर, झुमरीतिलैया के नव निर्मित जिनालय के प्रांगण में जैन साध्वी गणिनी आर्यिका 105 विभाश्री माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि कर्तव्यों का पालन करने से धर्म का निर्वाह स्वयं हो जायेगा क्योंकि मनुष्य का असली धर्म कर्तव्यों का निष्ठा के साथ पालन करना है। आचार्य नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती ने गोम्मटसार जीवकाण्ड में बताया है कि सबसे पहले आप अपने कर्तव्यों का निर्वाह नहीं करोगे और मंदिर में जाकर पूजन करने लगोगे तो आपकी गृहस्थी नहीं चल सकती। अगर आपने शादी की तो पत्नी, बच्चे का पालन पोषण करना आपका कर्तव्य है, यदि आप बहू हैं तो आपका कर्तव्य है परिवार के लिए भोजन बनाकर देना, स्त्री की प्रशंसा भोजन एवं गृहकार्य से ही होती है। आजकल महिलाओं के लिए सबसे कठिन काम है भोजन बनाना। जब आप चौके में भोजन नहीं बनाओगी तो अपना पेट कैसे भरोगी। सास का कर्तव्य है कि वह बहू को ज्यादा पाबंदी में न रखे। पिता का कर्तव्य है अपने पुत्र को पढ़ाना लिखाना योग्य बनाना, हम घर गृहस्थी में रहते हैं तो हमारा शरीर के प्रति, संबंधों के प्रति, संपत्ति के प्रति क्या कर्तव्य है यह जानना अधिक आवश्यक है। सेवन करने के योग्य कौन सी वस्तु है और कौन सी वस्तु नहीं है। क्या खाना चाहिए क्या नहीं खाना चाहिए इसके लिए आचार्य समन्तभद्र स्वामी ने बताया है कि जो आपके लिए अनिष्ट है उसका त्याग करो। हम दो चीज को देखें एक शरीर और दूसरी आत्मा। आपके शरीर के लिए क्या - क्या अनिष्ट है, स्वास्थ्य के लिए क्या हानिकारक है, क्या क्या लाभदायक है विचार करें तो समझ में आयेगा क्या खाना चाहिए, क्या नहीं खाना चाहिए, साथ ही जितने भी डॉक्टर हैं उनसे आप पूछोगे तो वो यही कहेंगे सोने के चार घंटे पहले शुद्ध और शाकाहारी भोजन करना चाहिए, ब्रह्ममुहूर्त में उठना चाहिए। 24 दिसंबर को आर्यिका 105 विभाश्री माता जी ससंघ का पिच्छीका परिवर्तन कार्यक्रम हुआ।

भारतीय जैन संघटना सागर द्वारा स्कूली बच्चों को ऊनी स्वेटर का वितरण किया

सागर। भारतीय जैन संघटना के द्वारा भीषण ठंड को देखते हुए ऊनी वस्त्रों में स्वेटर का वितरण ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर किया गया। कार्यक्रम में बीजेएस के संभागीय अध्यक्ष मनोज जैन लालो, सचिव सुकमाल जैन नैनधरा, उपाध्यक्ष इंजी. महेश जैन, जिला संयोजक कमलेश नायक मकरोनिया, चैप्टर अध्यक्ष कमलेश चौधरी, सचिव सुमत जैन, कोषाध्यक्ष राजेश मलैया, अमित जैन पारस, शिवम जैन सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र जैन शिक्षक ने बताया कि प्रथम चरण में बडतूमा प्राथमिक शाला में लगभग 60 से 70 बच्चों को एवं द्वितीय चरण में पिपरिया करकट जाकर के 50 बच्चों को ऊनी स्वेटर बांटी गई। बीजेएस द्वारा स्कूली बच्चों को लगभग 250 से 300 स्वेटर बांटने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम के लिए इंजी. भीष्म जैन, नीलेश जैन भूसा, अरविंद जैन रांधेलिया, मनीष निर्माण जंक्शन, दीपाली दीपेश जैन, बंटी मुरार, अरुण घुवारा, वीरेंद्र विनीत परिधान, दर्शन जैन, शैलेंद्र कोठिया सहित समाज के बहुत से लोगों ने सहयोग दिया है। बीजेएस एक सामाजिक संस्था है, जो समय-समय पर लोगों की आवश्यकता अनुसार मदद करती रहती है।

जे. एस. जी सिद्धा कार्यकारणी दंपत्ति सदस्य गणों का 2025-2027 वर्ष के लिए ग्रुप कार्यकारणी सदस्यों का हुआ चुनाव सम्पन्न

श्री निर्मल-श्रीमती तारा पांड्या ने चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाई, जिसमें सर्व सम्मति से वर्ष 2025-2027 के लिए ग्रुप कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर में जेएसजी सिद्धा कार्यकारिणी के चुनाव हुए संपन्न कार्यक्रम में उक्त कार्यकारिणी में यशस्वी अध्यक्ष-श्री सौरभ-रतिका जी गोधा, उपाध्यक्ष-श्री अंजन-आकांक्षा जी जैन, सचिव-श्री सुरेंद्र-संगीता जी छाबड़ा, सहसचिव-श्री वीरेंद्र-कविता जी काला, कोषाध्यक्ष-श्री मनोज-मनीषा जी सोगानी, कार्यकारिणी सदस्य - श्री राकेश-अचला जी रांवका, श्री विनय-मंजू जी जैन, श्री संजय-सुनीता जी काला, श्री मुकेश-मनीषा जी दोषी, श्री दिलीप-अलका जी पाटनी, श्री ज्ञान प्रकाश-सपना जी जैन, श्री मोनेश-सोनिया जी गंगवाल, श्री अभिषेक-चित्रा जी जैन को कार्यकारिणी सदस्यों के लिए चुना गया। कार्यकारिणी के नवीन अध्यक्ष सौरभ -रतिका जैन ने सभी सदस्यों का आभार जताते हुए बताया कि हम समाज हित में सारे समाज को साथ लेकर संगठन को मजबूत करेंगे। कार्यक्रम में ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष धीरज पाटनी ने बताया कि इस खुशी में समिति के पूर्व अध्यक्ष निर्मल पांड्या, दिनेश काला, राजस्थान जैन सभा कार्यकारिणी सदस्य राखी जैन तथा जैन गजट के राजा बाबू गोधा सहित सभी पदाधिकारियों ने नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

बागीदौरा में विशाल दिव्यांग शिविर फरवरी में होगा

12 जिलों के लोग लाभान्वित होंगे

संवाददाता

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर फुट एवं अपना परिवार संस्थान द्वारा इस बार विशाल दिव्यांग महाशिविर का आयोजन फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित होगा। कार्यक्रम में अपना परिवार संस्थान के अध्यक्ष विकेश मेहता ने बताया कि इस माह शिविर का आयोजन दिगंबर जैन समाज बागीदौरा कुंथुनाथ नवयुवक मंडल एवं महावीर इंटरनेशनल बागीदौरा के साथ संयम भवन में आयोजित होगा। इस शिविर में प्रारंभिक संयोजन के रूप में विनोद दोसी सभी संस्थाओं का संयोजन करेंगे, शिविर का आयोजन दिव्यांग उपकरण वितरण में ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, कान में सुनने की मशीन, कैलिबर्स विशेष कर जयपुर फुट अंधे लोगों के लिए छड़ी बैसाखियां एवं अन्य उपकरण प्रदान किए जाएंगे, विशाल शिविर में जयपुर से दिव्यांग जनों के विशेषज्ञ आएंगे जो हाथों-हाथ नकली पांव एवं कैलिबर बनाकर मरीज को प्रदान करेंगे इसके लिए बागीदौरा में पूरी एक लैब की स्थापना की जाएगी।

अनुराग जैन ने सीए परीक्षा में पायी सफलता

सुनील जैन 'संचय'

ललितपुर। मड़ावरा निवासी संतोष कुमार जैन खुटगुवा वालों के सुपुत्र अनुराग जैन ने अपनी मेहनत, लगन एवं अथक प्रयास से सभी परीक्षा को उत्तीर्ण कर सीए बन गए हैं। अनुराग जैन ने 10वीं कक्षा मड़ावरा से हिंदी माध्यम से उत्तीर्ण की इसके बाद 12 वी हैदराबाद से इंग्लिश माध्यम से तथा सीए इंदौर से कंप्लीट किया है। उल्लेखनीय है कि अनुराग जैन के बड़े भाई भी सीए परीक्षा में सफल होकर इंदौर में कार्यरत हैं।

स्व. चिरंजीलाल जी एवं सुलोचना देवी छाबड़ा

पुनम, पिंकी, साक्षी, शिवानी, संयम छाबड़ा
हार्दिक शुभकामनाओं सहित
पिंकी-पुनम चन्द जैन परिवार (मूंडवाड़ा वाले) गुवाहाटी
QC TRIP
Redefining Trust
QC TRIP LLP,
Guwahati- 781009
Contact : 87209-66269
QC BizTech Solutions
(A UNIT OF QC DREAMTECH SOLUTIONS)
QC Biztech Solutions,
Guwahati- 781001,
Contact : 87209-66269

CAMBRIDGE International Education
Cambridge International School

PAVNA INTERNATIONAL SCHOOL

Distinguished School

FORMATIVE EDUCATION SEASONED WITH VALUES

25% SCHOLARSHIP AVAILABLE FOR STUDENTS FROM JAIN FAMILIES

- DAILY DEV DARSHAN
- REGULAR SPIRITUAL TRAINING
- JAIN DISCIPLINE
- SERVING JAIN FOOD

- CAMBRIDGE CURRICULUM
- APPLE ENABLED TECHNOLOGY
- 10+ EXTRA CURRICULAR ACTIVITIES
- 9+ OLYMPIC GRADE SPORTS FACILITY
- WORLD CLASS LEARNING AMBIENCE
- EXPERIENTIAL LEARNING
- MULTI-NATIONAL FACULTY

Pavna International School, Aligarh Agra Highway, Sasni, Hathras, Uttar Pradesh-204216 (India)

+91 82669 54001 | +91 82669 54007

www.pavnaintlschool.com

तेरहवीं पुण्य तिथिः श्रद्धांजलि

जन्म
दि. 19 नवम्बर, 1959
भागलपुर (बिहार)

स्वर्गवास
दि. 7 जनवरी, 2012
कोलकाता

स्व. श्रीमती सोना देवी सेठी

आपका न होना आंगन में वटवृक्ष के न होने जैसा है, जीवन पर्यन्त कर्म में लीन रहकर आपने हमारे लिए भी कर्म और संस्कारों की मजबूत आधारशिला रखी है। आपका पावन स्मरण हमारे लिए प्रकाश स्तम्भ है।।

अब भले ही आप हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन आपके पास रहने का अहसास अभी भी है।
आपकी स्मृतियों को समेटे आपकी

तेरहवीं पुण्य तिथि पर आपको
श्रद्धा के साथ स्मरण करते हैं।

: श्रद्धावनतः

बिनोद कुमार सेठी (पति)

दिवस-श्रीमती रश्मि सेठी, आनन्द-श्रीमती नीनू सेठी (पुत्र-पुत्रवधु)
श्रीमती चाँदनी-श्री अभिषेक पाटौदी, श्रीमती शिवांगी-श्री सौरभ जी मोदी (पुत्री-दामाद)
दक्ष, अमायरा, अर्हम (पौत्र), शारनया (दोहती)

एवं समस्त परिवार

SMT. SONA DEVI SETHI CHARITABLE TRUST
Phulchand Binod Kumar Sethi

Old Daily Market, Dimapur (Nagaland)
Ph- 03862-225829-32, Email- sdsethitrust@gmail.com

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 5. मेरे किरायेदार से मेरा मुकदमा चला रहा है। काफी समय हो गया, मुझे क्या करना चाहिये जिससे जल्द मुकदमा समाप्त हो - प्रेम लता जैन, इन्दौर

उत्तर - श्री भक्तामर स्तोत्र का 18वां काव्य कोर्ट कचहरी में सफलता दिलाने वाला होता है आपको चाहिये 18वां काव्य आप रोजाना 36 बार घर पर पढें।

प्रश्न 6. गुरूजी, मेरे बिजनेस में मेरा पार्टनर कैसा है मुझे लगता है वो मेरा अहित चाहता है - सोनू, दिल्ली

उत्तर - सोनू जी, आपने जो अपने मित्र की कुंडली भेजी है, उसके अनुसार आपका पार्टनर हितैषी है, आप रोजाना चन्द्रप्रभु चालीसा पढ़ें तथा मून स्टोन का रत्न धारण करें आपकी शंका दूर होगी।

प्रश्न 7. मेरे शत्रु हर समय मेरे नुकसान में लगे रहते हैं। वो मेरा ज्यादा नुकसान को नहीं करेंगे। इस बीच मुझे क्या करना चाहिये - हरकेश जैन, मुम्बई

उत्तर - हरकेश जी, आने वाला समय आपका है। आप किसी भी गरीब व्यक्ति को 1 समय भोजन कराया करें तथा श्री विमलनाथ जी का चालीसा पढ़ें, लाभ होगा।

प्रश्न 8. मेरी शादी कब तक हो जायेगी? घर वाले बहुत परेशान हैं, मेरी उम्र 29 वर्ष है - हनी जैन, नागपुर

उत्तर - हनी जी, आप पुखराज सवा 5 रत्ती व मून स्टोन 6 रत्ती का धारण करें तथा हल्दी और चंदन का टीका माथे पर लगायें, शादी का योग चल रहा है।

गुरु जी से संपर्क सूत्र-
9990402062, 8826755078

सूर्यपहाड़ तीर्थक्षेत्र पर श्रीमान आनन्द कुमार-रत्नप्रभा सेठी परिवार की ओर से सम्पूण वात्सल्य भोजन व्यवस्था

भारतवर्ष की दिगम्बर जैन समाज के तीर्थ वंदना प्रणेता, शीर्ष दानवीर, अपनों को अपने का साथ योजना की शुरूआत कर अनगिनत जैन समाज के जरूरतमंद लोगों को आर्थिक लाभ देने वाले, जिनेश्वर प्ररूपित धर्म की प्रभावना के लिए सदा उद्दत रहने वाले, सूर्यपहाड़ तीर्थ के पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित करने वाले, व्यापार कार्य में अति कुशल आदि श्रेष्ठ गुणों के स्वामी गुवाहाटी के आदर्श दम्पति श्रेष्ठी सर्वश्री आनन्द कुमार जी सेठी एवं सुश्राविका श्रीमती रत्नप्रभा सेठी परिवार ने सूर्यपहाड़ तीर्थक्षेत्र पर आगामी 02 फरवरी 2025 को आयोजित भगवान

आदिनाथ निर्वाणोत्सव के पावन दिवस पर उपस्थित सभी महानुभावों के लिए अल्पाहार, चाय-पानी, दोनों समय का वात्सल्य भोजन व्यवस्था की स्वीकृति प्रदान कर असीम पुण्य का संचय किया है। श्रीमान आनन्द कुमार-रत्नप्रभा सेठी परिवार ने अतिशयकारी सूर्यपहाड़ तीर्थक्षेत्र पर आयोजित भगवान आदिनाथ निर्वाणोत्सव को बड़ी भक्ति भावना व हर्षोल्लास के साथ मनाने एवं भक्ति के इन अनुपम व अविस्मरणीय पलों के साक्षी बन महान पुण्य का अर्जन करने के लिए पूर्वोत्तर प्रांत के सभी दिगम्बर जैन बंधुओं की सपरिवार गरिमामयी उपस्थिति एवं वात्सल्य भोजन का लाभ लेने का निवेदन किया है। सूर्योदय अहिंसा दिगम्बर जैन तीर्थ, सूर्यपहाड़ विकास समिति इन आदर्श दर्पति के साथ तीर्थयात्रा करने वाले, अपनों को अपने के साथ योजना से जुड़ने वाले समाज बंधु सहित समस्त पूर्वांचल वासी से विनय पूर्वक निवेदन करती है कि आप सभी इस आयोजन में सम्मिलित होकर उनके उत्कृष्ट सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों की अनुमोदना करें तथा महोत्सव का धर्म लाभ लेते हुए अपने जीवन को सार्थक करें। सूर्योदय अहिंसा दिगम्बर जैन तीर्थ, सूर्य पहाड़ विकास समिति श्री दिगम्बर जैन समाज के महान पात्र श्री आनन्द कुमार-रत्नप्रभा सेठी, गुवाहाटी परिवार की देव-शास्त्र-गुरु के प्रति निष्ठा, समर्पण एवं भक्ति के प्रशस्त भावों के पुण्य की अनुमोदना करते हुए उनके द्वारा प्रदत वात्सल्य भोजन व्यवस्था के लिए हृदय की गहराइयों से धन्यवाद प्रेषित करती है।

बिखरे पड़े पाक में 50,000 चट्टान कलाकृतियों में छिपा प्रागैतिहासिक इतिहास और प्राचीन जैन प्रमाण

पाक अधिकृत जम्मू कश्मीर में शतियाल से राजकोट पुल तक की 100 किमी परिधि में चट्टान कला अतुलनीय इतिहास आज भी बिखरा पड़ा है, जिसके प्रमाण की अत्यधिक आवश्यकता है, नहीं तो प्रकृति व मानवीय मार से उसके नष्ट होने का खतरा हो सकता है। यहां पर लगभग 50 हजार चट्टान पर उकेरी व 5 हजार शिलालेख होने की संभावना है, जो ईसा की नवीं सदी पूर्व से 16वीं सदी तक के इतिहास की कई प्रमाणिक जानकारी परिलक्षित करती है। जहां हमें

प्रागैतिहासिक मानव सभ्यता के प्रमाणों के साथ बड़ी संख्या में जैन प्रतीक, खड्गासन व पदमासन मूर्तियां, ओंकार, स्वस्तिक आदि अनेक धर्म चिह्न हैं। कई चट्टानों पर व्यापारिक मार्ग भी उकेरे हुए हैं, जो बताते हैं कि जैनों द्वारा कहां व्यापार किये जाते थे। पाकिस्तान के चिलास में इस तरह के चिह्न, ब्राह्मी, शारदा आदि का शिलालेख तीर्थंकर चरित्रों में आता है, वे यहां विभिन्न चट्टानों पर उकेरे हुए हैं। रॉक आर्ट्स का अध्ययन करने वालों ने यह जानकारी देते हुए इन्हें संरक्षित करने की अपील की है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

With Best Compliments from
ASHOKA FURNISHINGS
a complete furnishing store
Babu Bazar, Fancy Bazar
GUWAHATI- 781001
0361- 2514118, 2637326Fax : 0361- 2637325
Sanmati Plaza, G. S. Road. Guwahati-781005 2457801, 2457802

स्वत्वाधिकारी 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाषचन्द्र गुप्ता द्वारा द इण्डियन एक्सप्रेस प्रा. लि. सी 26, अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया लखनऊ उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं श्री नंदीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग लखनऊ-226004 उ. प्र. से प्रकाशित, सम्पादक -सुधेश कुमार जैन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233, 9369025668
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड,
ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा,
5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर
कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता
वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से
कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र.
रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क-
7607921391, 9415108233
9415008344,7505102419
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो,
समाचार, विज्ञापन आप ईमेल
jaingazette2@gmail.com
पर भेजें

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on
Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2024-2026

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh,
Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 9415108233,
7505102419, 7607921391 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,
.....
.....
.....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-,
दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।